This question paper contains 3 printed pages.

B.A. (Sem. - I)

Roll No. 5954650

065954

AEC-51T-102

B.A.Three/Four Year (Semester - I) EXAMINATION - Dec. 2024 (Held in Jan. 2025)

(Ability Enhancement Course)

Paper Code - AEC-51T-102

सामान्य हिन्दी (व्याकरण)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 40

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न--पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर–पुस्तिका नहीं दी जायेगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

खण्ड–अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो–दो प्रश्न कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड–ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3 में इकाई 3 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

खण्ड–स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 4, 5, 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिसमें इकाई 4 के भाग (क) से दो प्रश्न (प्रत्येक 04 अंक) तथा भाग (ख) से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 8 अंक का होगा।

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **8X2=16**

   (i) निम्न प्रत्यय के योग से दो–दो नये शब्द बनाइए–

   (क) आवट

   (ख) आई

(ii) निम्न शब्दों में समास का नाम लिखिए–

(क) चौराहा

(ख) लम्बोदर

(iii) सर्वनाम की सोदाहरण परिभाषा दीजिए।

(iv) क्रिया की परिभाषा एवं प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए।

(v) निम्न शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) प्रदर्शिनी

(ख) भगीरथी

(vi) निम्न वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

(क) बम एक प्रकार का शस्त्र है।

(ख) राम ने केवल मात्र दो रूपये लिये।

(vii) निम्न मुहावरे का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग कीजिए –

(क) जीती मक्खी निगलना।

(ख) ठगा सा रह जाना।

(viii) निम्न लोकोक्तियों का अर्थ लिखिए–

(क) अपना हाथ जगन्नाथ।

(ख) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।

खण्ड – ब

2. निम्न अवतरण का संक्षेपण कीजिए– 4

मनुष्य स्वभाव से ही आनन्दकायी होता है। उत्सव इस कामना की पूर्ति करते हैं। उत्सव हमारी आस्था से जुड़े हुए, आत्मा को आनन्द देने वाले, संस्कारों के परिमार्जन, मनुष्य को उन्नत बनाने वाले और संस्कृति के अंग होते हैं। दीपावली जैसे उत्सवों की आयोजना महापुरूषों ने यही सब सोचकर की थी। अतः जीवन–मर्म की पहचान देने वाले उत्सवों से हमारा लगाव कम नहीं होना चाहिए।

3. 'हिंसा बुरी चीज़ है पर दासता उससे भी बुरी है' सूक्ति का पल्लवन कीजिए। 4

खण्ड – स

4. निविदा का अर्थ एवं प्रारूप तैयार कीजिए। 4

5. समय परिवर्तन सम्बन्धी सूचना का 'कार्यालय आदेश' सम्बन्धी प्रारूप तैयार कीजिए। 4

6. किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबन्ध लिखिए– 8

   (क) मेरा प्रिय साहित्यकार

   (ख) पर्यावरण संरक्षण

   (ग) विकसित भारत की संकल्पना

   (घ) महिला सशक्तिकरण